सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 256 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 23 अक्टूबर, 2023

एक-साथ आना एक शुरूआत है। एक साथ रहना प्रगति है। एक साथ काम करना सफलता है।
-हेनरी फोर्ड

कोहली के 'विराट' प्रदर्शन से भारत... 7 | चुने गए राजस्थान के चुनावी... 3 | सपा से गठबंधन के लिए हमारे लोग... 2

13.5 करोड़ व्यूज के साथ पहले नम्बर पर पहुंचा यूट्यूब चैनल

देश भर में लहराया 4पीएम का परचम

4PM के नेशनल चैनल पर आए साढ़े 13 करोड़ व्यूज

डाटा बिंग्स की रिपोर्ट में 4पीएम रिकॉर्ड व्यूज के साथ सबसे आगे

- » छह महीने से नम्बर-1 रहे डीबी लाइव से 4पीएम के पौने दो करोड़ व्यूज ज्यादा आए सितंबर महीन में
- » सितंबर में ही 4पीएम ने लांच किये अपने मध्य प्रदेश और राजस्थान चैनल
- » यूपी, बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक में पहले से ही हैं 4पीएम के राज्य चैनल

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। वर्तमान समय में देश के अंदर कथित मेन स्ट्रीम मीडिया की क्या हालत है इससे तो देश का बच्चा-बच्चा तक भलीभांति वाकिफ है। पिछले लगभग 10 सालों से मीडिया अपना धर्म और कर्तव्य भूलकर सिर्फ सत्ता का चारण बन गया है। देश के अधिकांश कथित मेन स्ट्रीम मीडिया संस्थान आए दिन सिर्फ और सिर्फ सत्ता की तारीफें और वाहवाही करते रहते हैं। इन सालों में मीडिया भूल ही गया है कि सत्ता से सवाल करना ही उसका असल धर्म और कर्तव्य है। लेकिन ऐसे मुश्किल वक्त में 4पीएम लगातार देश व प्रदेश की सत्ता से सवाल कर रहा है और मीडिया के असल धर्म का पालन भी कर रहा है।

सत्ता से सवाल करने की आदत और सच को दिखाने की जिद का ही नतीजा है कि 4पीएम आए दिन लोकप्रियता की नई ऊंचाईयों को छूता जा रहा है। अब 4पीएम के खाते में एक और कीर्तिमान जुड़ गया है। 4पीएम के सच दिखाने की जिद ने अब 4पीएम के यूट्यूब चैनल को देश का नंबर वन यूट्यूब चैनल बना दिया है। डाटा बिंग्स के ताजा आंकड़ों में 134.5 मिलियन यानी साढ़े 13 करोड़ व्यूज के साथ टॉप पॉलिटिकल कमेंटेटर्स की श्रेणी में 4पीएम देश का सबसे ज्यादा देखे जाने वाले यूट्यूब चैनल बन गया है।

Top Political Commentators on YouTube - Views Market Share (September 2023)
Excl. mainstream media. View count as of Oct 22 for Sep uploaded videos only
databeings
Colors indicate political leaning

Rank	Channel	#Views (Million)	Views Share
1	4PM	134.5	12%
2	DB live	117.2	11%
3	Earth 24	76.2	7%
4	National Dastak	50.2	5%
5	NMF News	48.8	4%
6	Ajit Anjum	47.8	4%
7	Ravish Kumar Official	42.7	4%
8	Abhisar Sharma	41.7	4%
9	Capital TV	40.0	4%
10	Ulta Chasma uc	39.1	4%
11	Online News India	37.0	3%
12	Deepak Sharma	34.6	3%
13	Punya Prasun Bajpai	32.2	3%
14	FreeZ Hindutva	31.5	3%
15	The Chankya Dialogues Hindi	30.4	3%
16	Article19India	27.3	2%
17	Headlines India	26.8	2%
18	Bharat Samachar	25.3	2%
19	The News	24.7	2%
20	Satya Hindi	21.8	2%
21	Unite India	21.6	2%
22	DD React	20.1	2%
23	The Live Tv	18.9	2%
24	Desh Neeti	17.2	2%
25	The Newspaper	17.1	2%
26	Kadak	16.2	1%
27	The Jaipur Dialogues	15.3	1%
28	Sakshi Joshi	14.8	1%
29	Explicit World	14.7	1%
30	The Deshbhakt	14.5	1%
	Total	1100.1	100%

Note: … aster list for channel tracking. Top 30 shown here.
thedatabeings.com contact@thedatabeings.com @DataBeings

4पीएम के खाते में जुड़ गया है एक और कीर्तिमान

जल्द ही होने वाले हैं 2 मिलियन सब्सक्राइबर्स

13 करोड़ से भी ज्यादा व्यूज और लोगों के प्यार की बदौलत 4पीएम नंबर वन तो बन ही गया है। लेकिन 4पीएम की लोकप्रियता निरंतर बढ़ती जा रही है और कीर्तिमानों की नई ऊंचाईयों पर चढ़ती जा रही है। व्यूज के साथ-साथ 4पीएम के सब्सक्राइबर्स में भी काफी तेजी से इजाफा हो रहा है। यही वजह है कि देखते-देखते सब्सक्राइबर्स की संख्या 1 मिलियन से कब 2 मिलियन के करीब पहुंच गई पता ही नहीं चला। 4पीएम जल्द ही अपने 2 मिलियन सब्सक्राइबर्स भी पूरे करने वाला है। 4पीएम की बढ़ती लोकप्रियता ये दर्शाती है कि सत्ता से सवाल करना लोगों को आज भी पसंद है। और हर कोई सच को ही देखना चाहता है। बस कोई सच दिखाने वाला हो।

लगातार जारी हैं 4पीएम के सत्ता से तीखे सवाल

लोगों के प्यार और अपने सच दिखाने की ताकत की बदौलत 4पीएम लगातार सफलता की सीढ़ियों को चढ़ रहा है और देश में आए दिन अपना परचम फहरा रहा है। जिस समय देश की कथित मेन स्ट्रीम मीडिया सिर्फ सत्ता की चारण बनकर बैठ गई है, ऐसे में 4पीएम और उसके संपादक संजय शर्मा ने अपने यूट्यूब चैनल के जरिए सत्ता से तीखे सवाल करना जारी रखा और जनता के सामने लगातार सच को दिखाते रहे हैं। आज उसी सच और सत्ता से सवाल करने के हौसले का ही नतीजा है कि 4पीएम देश भर में पहले स्थान पर पहुंच गया है। 4पीएम को अब 13 करोड़ से भी अधिक लोग लगातार देख रहे हैं और पसंद कर रहे हैं। इसकी प्रमुख वजह है कि 4पीएम की सच दिखाने व बताने की जिद।

बजा 4पीएम का डंका

सत्ता से सवाल और सच दिखाने की बदौलत ही 4पीएम को लगातार दर्शकों का प्यार मिल रहा है और 4पीएम आए दिन नई-नई बुलंदियों को छू रहा है। इसी क्रम में पिछले कुछ एक महीनों से नंबर 2 पर चल रहा 4पीएम अब नंबर वन का यूट्यूब चैनल बन गया है। सितंबर के डाटा बिंग्स के ताजा आंकड़ों के मुताबिक 4पीएम 134.5 मिलियन व्यूज और 12 प्रतिशत व्यू शेयर के साथ नंबर एक पर पहुंच गया है। इस दौरान 4पीएम ने पिछले कुछ वक्त से नंबर वन पर चल रहे डीबी लाइव को पीछे छोड़ दिया है। पिछले माह जारी किए गए आंकड़ों में 4पीएम 89 मिलियन व्यूज के साथ दूसरे नंबर पर था। लेकिन अब ताजा आंकड़ों में 4पीएम के दर्शकों में भारी इजाफा हुआ है और यही वजह है कि अब 134.5 मिलियन व्यूज के साथ 4पीएम देश का नंबर वन चैनल बन गया है।

लगातार बढ़ रहीं हैं 4पीएम की शाखाएं

बढ़ती लोकप्रियता और लगातार मिल रहे लोगों के प्यार का ही नतीजा है कि 4पीएम का परिवार निरंतर बढ़ता जा रहा है और 4पीएम की नई-नई शाखाएं लोगों के बीच आती जा रही हैं। शुरूआत में सिर्फ 4पीएम के नाम से एक यूट्यूब चैनल था। इसके बाद 4पीएम यूपी ने दस्तक दी। जिसपर यूपी की खबरों को प्रमुखता से दिखाया जाने लगा। 4पीएम नेशनल और 4पीएम यूपी को मिले प्यार व समर्थन के बाद देखते-देखते कब 4पीएम के क्षेत्रीय चैनलों में बढ़ोत्तरी हो गई और ये संख्या बढ़कर 1 से आठ पर पहुंच गई पता भी नहीं चला। वर्तमान समय में 4पीएम के नेशनल समेत कुल आठ चैनल चल रहे हैं जिनमें 4पीएम नेशनल, 4पीएम यूपी, 4पीएम बिहार, 4पीएम महाराष्ट्र, 4पीएम गुजरात, 4पीएम कर्नाटक, 4पीएम मध्य प्रदेश और 4पीएम राजस्थान शामिल हैं।

सपा से गठबंधन के लिए हमारे लोग तैयार नहीं : कमलनाथ

» पूर्व सीएम बोले- हमने पूरी कोशिश की पर नहीं बन पा रही बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए तैयार हुआ विपक्ष का इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव से पहले ही असमंजस में पड़ता दिखाई दे रहा है। इसकी प्रमुख वजह है कि गठबंधन की दो प्रमुख पार्टियां कांग्रेस और समाजवादी पार्टी में पिछले कुछ वक्त से ठनाठनी चल रही है। ये ठनाठनी चल रही है मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव को लेकर। जहां पर सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन होने की बात नहीं बन पा रही है। इसी को लेकर दोनों दल एक-दूसरे पर हमला बोल रहे हैं।

इस बीच अब मध्य प्रदेश कांग्रेस के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का सपा-कांग्रेस के गठबंधन और सीट बंटवारे को लेकर कहना है हमने बातचीत की, हमने पूरी कोशिश की, लेकिन हमारे लोग तैयार नहीं थे। सवाल कितनी सीट का नहीं बल्कि कौन सी सीट का था। उन्होंने कहा कि मुझे सभी को और अपने संगठन को साथ लाना पड़ा। हम अपने लोगों को उन सीटों के लिए मना नहीं पाए जो सपा चाहते थी।

सपा 33 सीटों पर घोषित कर चुकी है अपने उम्मीदवार

वहीं समाजवादी पार्टी पहले भी मध्य प्रदेश में चुनाव लड़ती रही है और उत्तर प्रदेश से सटी मध्य प्रदेश की कई विधानसभाओं में जीत भी दर्ज करती रही है। इसबार के चुनाव में भी समाजवादी पार्टी ने अपने उम्मीदवार उतारे हैं। जबकि, कांग्रेस पार्टी एक तरफ इंडिया गठबंधन की उन्हें दुहाई दे रही है तो सपा कांग्रेस पर ही सूबे में उनके वोट काटने का आरोप लगा रही है। समाजवादी पार्टी ने फिर एक बार यही दावा दोहराया है। दरअसल, समाजवादी पार्टी मध्य प्रदेश में कई सीटों पर चुनाव लड़ने की इच्छुक थी। इसके लिए शुरुआत में कांग्रेस से गठबंधन की कोशिश की गई, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया गठबंधन से जुड़ी ये पार्टियां मध्य प्रदेश में ऐसा कोई फॉर्मूला नहीं बना सकीं। ऐसे में समाजवादी पार्टी ने अकेले ही मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव लड़ने की ठानी। अब तक समाजवादी पार्टी 33 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर चुकी है। 230 विधानसभा सीटों वाले मध्य प्रदेश की 229 सीटों पर कांग्रेस पार्टी भी अपने उम्मीदवारों के नाम साफ कर चुकी है।

लिबास की तरह पार्टी बदलते हैं नीतीश : चिराग

» लोजपा के सुप्रीमो ने कहा- सीएम को नहीं बिहारियों की चिंता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

औरंगाबाद। लोजपा के सुप्रीमो चिराग पासवान ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर इंडिया गठबंधन को लेकर जमकर निशाना साधा है। बिहार के औरंगाबाद पहुंचे चिराग पासवान ने इंडिया गठबंधन से जुड़ने पर नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा कि नीतीश कुमार को लिबास की तरह पार्टी बदलते हैं।

चिराग पासवान ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री लिबास की तरह पार्टी बदलते है वो इंडिया गंठबंधन में रहते हुए एनडीए की तरफ झांक रहे हैं। एनडीए में रहते है तो महागठबंधन की ओर झांकते हैं। ऐसी तो उनकी आदत है। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री जनादेश को ठुकराते हुए अपनी मनमानी का गठबंधन करते है। जब जनता ने महागठबंधन को जनादेश दिया था, तब उन्होने एनडीए के साथ मिलकर सरकार चलाया और जब जनता ने एनडीए को जनादेश दिया तो वो महागठबंधन के साथ मिलकर सरकार चलाने लगे। चिराग पासवान ने आगे कहा कि इस वजह से 2024 के आने वाले लोकसभा चुनाव तथा 2025 के विधानसभा चुनाव में जनता उनको सबक सिखाने का काम करेगी। उनकी गलत राजनीति के कारण आज जदयू बिहार में तीसरे नम्बर की पार्टी बनकर रह गई है। आने वाले दिन में जदयू बिहार में शून्य पर क्लीन बोल्ड हो जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री को 13 करोड़ बिहारियो की चिंता नहीं है।

नफरत और भेदभाव खत्म करने के लिए हमें वोट दें : ओवैसी

» एआईएमआईएम राजस्थान में पहली बार लड़ रही चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में चुनावी पारा काफी हाई है। इस बार राजस्थान में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) भी चुनावी रण में ताल ठोक रही है। इसलिए अब ओवैसी भी जनता को लुभाने के लिए राजस्थान में पहुंच गए हैं।

जयपुर पहुंचे ओवैसी ने लोगों से नफरत से आजादी, समानता, भेदभाव खत्म करने और भाईचारे को मजबूत करने के लिए उनकी पार्टी को वोट देने का आग्रह किया। ओवैसी ने कहा कि लोगों के पास वोट देने के लिए सिर्फ भाजपा और कांग्रेस थी, लेकिन अब उनके पास एआईएमआईएम का विकल्प है। ओवैसी

की पार्टी राजस्थान में पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ रही है। एआईएमआईएम ने जयपुर के हवामहल, सीकर के फतेहपुर और भरतपुर जिले के कामां में अपने उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारे हैं। ओवैसी ने कहा कि अगर आप नफरत से आजादी पाना चाहते हैं, हिस्सेदारी और समानता पाना चाहते हैं, भेदभाव खत्म करना चाहते हैं और भाईचारा मजबूत करना चाहते हैं तो एआईएमआईएम को वोट दें।

मैं जेल में नहीं, लोगों के दिलों में हूं: नायडू

» टीडीपी प्रमुख ने जेल से लिखी पार्टी कार्यकर्ताओं को चिट्ठी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

विशाखापत्तनम। तेलुगु देशम पार्टी के मुखिया और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू आजकल जेल में बंद हैं। अपने कार्यकर्ताओं में उत्साह भरते हुए चंद्रबाबू नायडू ने जेल से पार्टी कार्यकर्ताओं को चिट्ठी लिखी है। इस चिट्ठी में चंद्रबाबू नायडू ने अपनी प्रतिबद्धताएं दोहराई और पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि पार्टी का घोषणा पत्र दशहरा पर ही जारी किया जाएगा, जैसा कि उन्होंने वादा किया था। गौरतलब है कि चंद्रबाबू नायडू बीते एक महीने से भी ज्यादा समय से कौशल विकास घोटाले में जेल में बंद हैं।

पार्टी कार्यकर्ताओं को लिखी चिट्ठी में चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि दशहरा पर

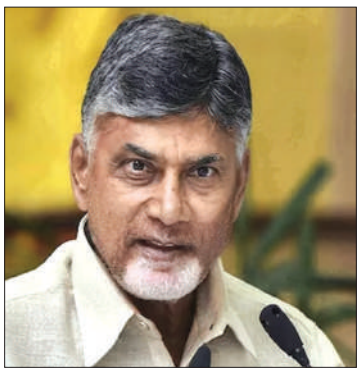

पार्टी का पूर्ण आधिकारिक घोषणा पत्र जारी किया जाएगा। नायडू ने लिखा कि वह जेल में नहीं हैं बल्कि लोगों के दिलों में हैं और उनकी पहली प्राथमिकता तेलुगु लोगों की भलाई और विकास के लिए काम करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ताधारी वाईएसआरसीपी उन्हें जेल में बंद करके लोगों से दूर रखना चाहती है क्योंकि उन्हें चुनाव हारने का डर है।

नायडू ने ये भी आरोप लगाया कि उन पर लगे आरोप झूठे हैं और यह सब उनकी छवि बदनाम करने के लिए किया जा रहा है।

नायडू की गैरमौजूदगी में पत्नी करेंगी पार्टी का नेतृत्व

पार्टी कार्यकर्ताओं को लिखी अपनी चिट्ठी में नायडू ने लिखा कि उनकी गैरमौजूदगी में उनकी पत्नी नारा भुवनेश्वरी पार्टी का नेतृत्व करेंगी और निजम गेलावाली अभियान के तहत लोगों से मिलेंगी। नायडू के बेटे नारा लोकेश ने भी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए वाईएसआरसीपी चीफ और राज्य के सीएम वाईएस जगन मोहन रेड्डी की आलोचना की। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि आंध्र प्रदेश पुलिस पूर्व सीएम को तब तक फाइबर नेट मामले में गिरफ्तार न करे, जब तक वह कौशल विकास घोटाले के मामले में अपना फैसला न सुना दें।

पहले ही करनी थी फिलिस्तीन की मदद : अंसारी

» पूर्व उपराष्ट्रपति ने की मुस्लिम को आरक्षण देने की वकालत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हमास और इजरायल के बीच जंग लगातार जारी है। इस बीच भारत ने फिलिस्तीन को राहत सामग्री भिजवाई है। ये राहत सामग्री मिस्र के रास्ते फिलिस्तीन पहुंच रही है। इस बीच पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने कहा कि हिंदुस्तान ने फिलिस्तीन को मदद भेजी है, यह बहुत अच्छी बात है। मगर यह मदद और पहले भेजनी चाहिए थी।

पूर्व उपराष्ट्रपति ने आरक्षण को लेकर तंज करते हुए मुस्लिम समुदाय को आरक्षण देने की भी वकालत की। उन्होंने पूछा कि मुसलमानों के पिछड़े होने के बावजूद आरक्षण ना देना कितना उचित है? एससी एसटी की तरह ही मुस्लिम समुदाय भी वंचित समुदाय है। इससे पहले वह दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में एक कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे, जहां हामिद अंसारी ने 'मीडिया और भारत के मुसलमान' विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि सरकार के सबका साथ सबका विकास की बात काबिले तारीफ है, लेकिन इसको अमली जामा भी तो पहनाया जाना चाहिए। इस बीच अंसारी ने कहा है कि भारत को फिलिस्तीन के लिए पहले ही मदद भेज देनी चाहिए थी। गौरतलब है कि भारत से IAF C-17 विमान ने फिलिस्तीन के लिए लगभग 6.5 टन मेडिकल ऐड और 32 टन आपदा राहत सामग्री लेकर मिस्र के एल-अरिश हवाई अड्डे के लिए उड़ान भरी थी। इस बात की जानकारी विदेश मंत्रालय ने दी थी।

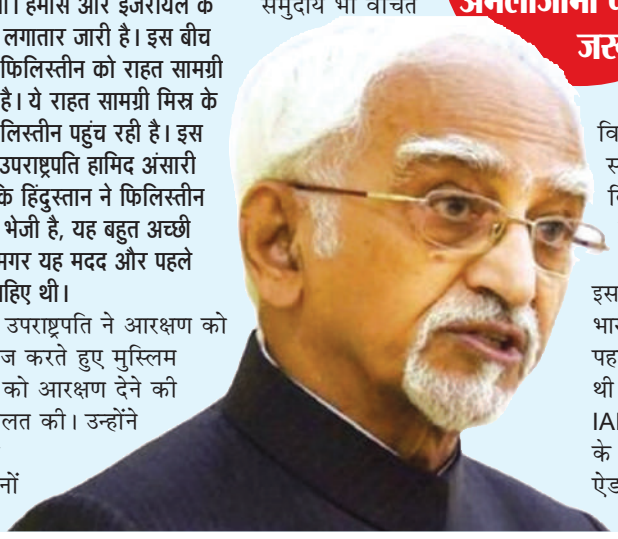

'सबका साथ सबका विकास' को अमलीजामा पहनाना जरूरी

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि फिलिस्तीन के लिए भेजी गई मदद में आवश्यक जीवन रक्षक दवाएं, सर्जिकल आइटम्स, टेंट, स्लीपिंग बैग, तिरपाल, स्वच्छता का सामान, वॉटर प्यूरीफिकेशन टैबलेट सहित अन्य आवश्यक वस्तुएं शामिल हैं।

24 घंटे का कंट्रोल रूम भी किया स्थापित

एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा कि इजरायल और फिलिस्तीन में चल रहे घटनाक्रम को देखते हुए 24 घंटे का कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। इसका काम स्थिति की निगरानी करना और जानकारी और सहायता प्रदान करना है। इसके अलावा रमाल्ला में 24 घंटे की आपातकालीन हेल्पलाइन भी स्थापित की गई है।

चुने गए राजस्थान के चुनावी योद्धा

भाजपा व कांग्रेस ने जारी की उम्मीदवारों की सूची

- प्रत्याशियों ने अपनी-अपनी जीत के किए दावे
- जनता के बीच जाने की तैयारी
- गहलोत सरदारपुरा व टोंक से पायलट ठोंकेंगे ताल
- राजस्थान में वसुंधरा भी लड़ेंगी चुनाव, झालरा पाटन में दिखएंगी दम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

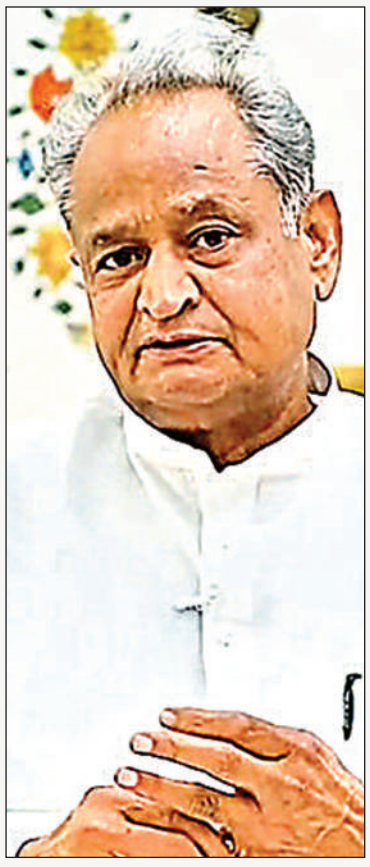

नई दिल्ली। विधान सभा चुनावों के लिए दोनों बड़ी पार्टियों ने राजस्थान के लिए प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी। भाजपा ने अपनी सबसे बड़ी नेता वसुंधरा राजे को टिकट दिया है। वहीं कांग्रेस ने सीएम अशोक गहलोत व सचिन पायलट के नामों को फाइनल कर दिया है। प्रत्याशियों के नामों की घोषणा के साथ ही इन नेताओं ने भी चुनावी मैदान मारने की तैयारी शुरू कर दी है। दोनों ही दलों ने टिकट बंटवारे में जाति व क्षेत्र का ध्यान रखा है। कुछ क्षेत्रों में जो उम्मीदवार घोषित किए हैं वो बहुत ही ताकतवर है ऐसे में मुकाबला बहुत कड़ा देखने को मिलेगा। हालांकि भाजपा के टिकट बंटवारे में एमपी वाला अंदाज नहीं दिखा।

कांग्रेस ने भी अपनी पहली उम्मीदवार लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में कुल 33 नामों की घोषणा हुई है, जिसमें मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को सरदारपुरा से टिकट दिया गया है, वहीं, सचिन पायलट टोंक से फिर चुनावी मैदान में उतरे हैं, प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को लक्ष्मणगढ़ से प्रत्याशी बनाया गया है., इसके अलावा, सीपी जोशी को नाथद्वारा से टिकट मिला है। इस बार कांग्रेस ने इस बार नोहर से अमित चौहान, कोलायत से भंवर सिंह भोटी, सदलपुर से कृष्णा पूनिया, सुजानगढ़ से मनोज मेघवाल, मांडवा से रीता चौधरी, विराटनगर से इंद्राज सिंह गुर्जर, मालवीय नगर से अर्चना शर्मा, सांगनेर से पुष्पेंद्र भारद्वाज, मंडावर से ललित कुमार यादव, अलवरसे टीकाराम जूली सिकरई से ममता भूपेश को टिकट दिया है। इसके अलावा, सवाई माधोपुर से दानिश अबरार, लडनून से मुकेश भाकर, डीडवाना से चेतन सिंह चौधरी, जयाल से मंजू देवी, देगाना से विजयपाल मिर्धा, परबतसार से रामनिवास गावरिया, ओसियां से दिव्या मदेरणा, जोधपुर से मनीश पंवार, लूनी से महेंद्र विश्नोई, बायतू से हरीष चौधरी, वल्लभनगर से प्रीति गजेंद्र सिंह शेखावत, डूंगरपुर से गणेश गोघरा, बागीडोरासे महेंद्र जीत सिंह मालवीय, कुशलगढ़ से रामलीला खाडिया, प्रतागढ़ से रामलाल मीणा, भीम से सुदर्शन सिंह रावत, मंडलगढ़ से विवेक धाकड़ और हिंडोली से अशोक चांदना को टिकट मिला है। वहीं बहुजन समाज पार्टी ने भी आज राजस्थान में अपने 10 उम्मीदवारों का एलान कर दिया है। मायावती की पार्टी ने अजमेर, भरतपुर, कांमा, महुवा, टोडाभीम, सपोटरा, गंगापुर, नीमकाथाना, हिंडोन और बांदीकुई से टिकट दिया है।

राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में बीजेपी ने अपने कई बड़े नेताओं के नामों का भी ऐलान किया है, पार्टी ने झालरा पाटन विधानसभा सीट से पूर्व मुख्यमंत्री और कद्दावर नेता वसुंधरा राजे सिंधिया को टिकट दिया है, सतीश पुनिया को अंबेर से उम्मीदवार बनाया गया है। बीजेपी ने इस लिस्ट में 10 महिला, 15 अनुसूचित जनजाति और 10 अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों को टिकट दिया है, पार्टी ने हाल ही में बीजेपी का दामन थामने वाली ज्योति मिर्धा को भी टिकट दिया है, मिर्धा को नागौर से उम्मीदवार बनाा गया है, वहीं पार्टी ने नाथद्वारा से विश्वराज सिंह मेवाड़ को टिकट दिया है। इस लिस्ट में वसुंधरा राजे को अपनी ही सीट से टिकट दिया गया है तो वहीं नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ को तारानगर से उम्मीदवार बनाया गया ,वो चूरू से विधायक थे, हालांकि तारानगर से भी वो चुनाव लड़ चुके हैं तो पार्टी ने एक बार फिर से उन्हें तारानगर से ही किस्मत आजमाने के लिए भेज दिया है। बीजेपी ने इस लिस्ट में दो मौजूदा विधायकों के टिकट काटे हैं, सांगनेर से पार्टी ने अशोक लौहटी और चित्तोड़गढ़ से मौजूदा विधायक चंद्रभान सिंह का टिकट काट दिया है, चित्तोड़गढ़ में पार्टी ने चंद्रभान सिंह की जगह नरपत सिंह राजवी को पार्टी ने चित्तोड़गढ़ से टिकट दिया है, नरपत सिंह राजवी उपराष्ट्रपति भैरो सिंह शेखावत के दामाद हैं, वहीं सांगनेर से पार्टी ने भजनलाल शर्मा को टिकट दिया है। बीजेपी ने राजस्थान में उम्मीदावों की जो सूची जारी की है उसमें मध्य प्रदेश वाला अंदाज नदारद है। दरअसल बीजेपी ने मध्य प्रदेश में अपने 7 मौजूदा सांसदों को टिकट देकर सबको हैरान कर दिया था। हालांकि बीजेपी ने ये प्रयोग राजस्थान में नहीं किया. पार्टी ने राजस्थान में किसी भी सांसद को प्रत्याशी नहीं बनाया है.

बागी बढ़ाएंगे दिग्गी और नाथ की मुश्किलें

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। कांग्रेस के 229 प्रत्याशियों के एलान के बाद विरोध प्रदर्शन के साथ बागियों की संख्या बढ़ते जा रही है। वहीं, इसके अलावा सपा, बसपा और आम आदमी पार्टी भी कांग्रेस को ही नुकसान पहुंचाएंगी। कांग्रेस डैमेज कंट्रोल की बात कर रही है, लेकिन फिर भी आगामी चुनाव में पीसीसी चीफ कमलनाथ और पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। प्रदेश कांग्रेस कांग्रेस में बुरहानपुर, राजगढ़, शिवपुरी, गुना, निवाड़ी, नर्मदापुरम, बुदनी, सुमावली समेत कई जगह विरोध प्रदर्शन के साथ ही पुतला फूंका जा रहा है। भाजपा में पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह का पुतला फूंका गया है। दूसरी तरफ भाजपा में भी विरोध के सुर उठे, लेकिन पार्टी ने काफी हद तक डैमेज कंट्रोल कर लिया।

2018 में कांग्रेस ने किया था क्लीन स्वीप

एमपी का ग्वालियर-चंबल, वह क्षेत्र है, जहां 2018 के चुनाव में कांग्रेस ने बीजेपी के खिलाफ लगभग क्लीन स्वीप किया था। कांग्रेस ने इस क्षेत्र की 34 विधानसभा सीटों में से 26 पर जीत हासिल की। हालांकि इस बार इस क्षेत्र में समीकरण बदले हुए हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया बीजेपी के साथ हैं। उत्तर प्रदेश की सीमा से लगे इस क्षेत्र में बसपा पार्टी का भी प्रभाव है। बसपा ने 2018 के चुनावों में दो सीटें जीती थीं। बीजेपी ने केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को डिमनी विधानसभा सीट से मैदान में उतारा है। तोमर के समर्थकों और कार्यकर्ताओं को इस क्षेत्र में कमल का भाग्य बदलने की उम्मीद है। 2020 के उपचुनाव के बाद, बीजेपी के पास 17 विधायक हैं, जबकि कांग्रेस के पास 16 विधायक हैं। बीजेपी को मौजूदा सीट को बरकरार रखने और कुछ और सीटें जीतने की उम्मीद है। सिंधिया के बीजेपी में जाने के बाद कांग्रेस ने इसे प्रतिष्ठा का मुद्दा बना लिया है।

बसपा ने मप्र से पांच प्रत्याशियों की सातवीं सूची जारी की

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए बहुजन समाज पार्टी ने शनिवार को अपनी सातवीं सूची जारी कर दी। इसमें पांच प्रत्याशियों को टिकट दिया गया है। अशोकनगर की मुंगावली सीट से मोहन सिंह यादव को प्रत्याशी बनाया है। इसके अलावा अशोक नगर कीही चंदेरी सीट से वीरेंद्र सिंह यादव, दमोहजिले की हटा सीट से भगवान दास चौधरी, खंडवा जिले की हरसूद सीट से विजय सिंह उईकें और रीवा जिले की त्योंथर सीट से देवेंद्र सिंह को टिकट दिया है।

ग्वालियर-चंबल में होगी जबरदस्त लड़ाई

मध्य प्रदेश के मालवा और निमाड़ क्षेत्र में बीजेपी और कांग्रेस के बीच चुनावी जंग जारी है। 2018 के चुनाव में कांग्रेस ने बीजेपी के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज की थी, लेकिन इस बार स्थिति बदली हुई है। ज्योतिरादित्य सिंधिया के बीजेपी में शामिल होने से कांग्रेस को चुनाव में मुश्किल हो सकती है। मालवा में चुनावी बिसात सज चुकी है, बीजेपी और कांग्रेस के संघर्ष में नजर महिला वोटर और ओबासी पर मालवा- मध्य प्रदेश में चुनावी बिसात सज चुकी है। बीजेपी अपनी योजनाओं पर पीएम मोदी के भरोसे मैदान में है। वहीं कांग्रेस ने राज्य में सरकार बनने पर जातीय जनगणना, 500 रुपये में गैस सिलेंडर जैसे वादे किए हैं। दोनों पार्टियों की नजर राज्य के महिला वोटर और ओबासी पर लगी है। हालांकि मध्य प्रदेश चुनाव में एक और प्रमुख पहलू है, जिस पर दोनों पार्टी काम कर रही हैं। दोनों पार्टियां क्षेत्रों में बांट कर वहां से स्थानीय मुद्दों को को उठाने की कोशिश कर रही है, लेकिन एमपी में कहा जाता है कि मालवा-निमाड़ में जो पार्टी जीतती है, वह राज्य में सरकार बनाती है। आइए जानते हैं यहां का समीकरण

मालवा-निमाड़ 66 विधानसभा सीटों के साथ मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा क्षेत्र है। 2013 में बीजेपी ने 57 सीटें जीती थीं, जबकि कांग्रेस को केवल नौ सीटें मिली थीं। हालांकि, 2018 में आदिवासी मतदाताओं के समर्थन से कांग्रेस ने 35 सीटें जीतीं। इससे बीजेपी 57 से घटकर 28 पर आ गई। जबकि तीन सीटें निर्दलीयों के पास गईं। इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में जनजातियों की मौजूदगी है। इस क्षेत्र में 22 एसटी आरक्षित सीटें हैं। 2018 में कांग्रेस ने 14 सीटें जीतीं, जिसमें बीजेपी ने सात सीटें जीतीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी तक, शीर्ष नेताओं ने इस क्षेत्र में प्रचार किया है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को फिर चेताया

हाईकोर्ट में जजों की नियुक्ति के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को फिर चेताया है। कोर्ट ने कहा है कि हमें दिवाली से पहले कुछ और प्रगति दें ताकि इसे बेहतर तरीके से मनाया जा सके। सुप्रीम कोर्ट अब नियुक्तियों की गति से संतुष्ट है। कॉलेजियम की सिफारिशों को दोहराने के बावजूद सरकार का बैठा रहना अभी भी चिंता का विषय है। ज्यादातर नियुक्तियां हो चुकी हैं लेकिन थोड़े और प्रयास की जरूरत है। अगली सुनवाई सात नवंबर को होगी सुप्रीम कोर्ट ने हाथ से मैला ढोने की प्रथा का पूर्ण उन्मूलन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया सुप्रीम कोर्ट ने हाथ से मैला ढोने की प्रथा का पूर्ण उन्मूलन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। तो वादी निराश हो जाते है। सुनवाई के दौरान जस्टिस संजय किशन कौल ने कहा, हमें जो अधिक कठिन लगता है वह यह है कि दोहराई गई सिफारिशें अभी भी लंबित हैं। अधिकांश नियुक्तियां हो चुकी हैं लेकिन थोड़े और प्रयास की आवश्यकता है।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा अनुशंसित उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति और स्थानांतरण पर निर्णय लेने के लिए कोर्ट से दो सप्ताह की मोहलत मांगी है। कॉलेजियम की चिट्ठी में दोहराए गए पांच नाम, जजशिप के लिए अनुशंसित पांच नए नाम और हाई कोर्ट्स में 11 न्यायाधीशों के स्थानांतरण की सिफारिशें केंद्र के समक्ष लंबित हैं। सुनवाई के दौरान जस्टिस संजय किशन कौल ने कहा कि मान लीजिए कि चार नाम हैं, आप तीन को सूचित करते हैं और एक को रोकते हैं। हमारा विचार यह है कि ऐसा नहीं होना चाहिए। हालांकि इसे कुछ लोगों ने स्वीकार कर लिया है और कुछ हताश होकर पीछे हट गए हैं. इस चक्कर में हमने कई अच्छे नाम खो दिए हैं। उनमें से कुछ में तो मुझे नहीं लगता कि सरकार के लिए ऐसे कोई गंभीर मुद्दे हैं जिन पर विचार नहीं करना चाहिए था। लेकिन जब आप किसी को नियुक्त करते हैं और किसी की नहीं, या बाद में तो वरिष्ठता की पूरी अवधारणा गड़बड़ा जाती है। अदालत ने कॉलेजियम प्रस्तावों को मंजूरी देने के लिए 2021 में अदालत द्वारा निर्धारित समय सीमा का पालन नहीं करने के लिए केंद्रीय कानून और न्याय मंत्रालय के खिलाफ अवमानना कार्रवाई की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई की। जस्टिस कौल ने कहा कि युवा वकीलों से मुझे शिकायत यह है कि उन्हें जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए। मैं इस बात की भी सराहना करता हूं कि पिछले महीने में कुछ हलचल हुई है। हाल ही में मंजूरी दिए गए कुछ नामों पर कुछ ही हफ्तों के भीतर नियुक्ति की गई है। यह एक सकारात्मक विकास है। मुझे पता है कि दिल्ली में उन्होंने सूचित किया था। सरकार ने दो सप्ताह पहले ही मंजूरी दे दी थी। मौजूदा प्रक्रिया अच्छी चल रही है लेकिन हमें अटकी हुई बातों को सुलझाना होगा।

संजय

“ कॉलेजियम की सिफारिशों को दोहराने के बावजूद सरकार का बैठा रहना अभी भी चिंता का विषय है। ज्यादातर नियुक्तियां हो चुकी हैं लेकिन थोड़े और प्रयास की जरूरत है। अगली सुनवाई सात नवंबर को होगी सुप्रीम कोर्ट ने हाथ से मैला ढोने की प्रथा का पूर्ण उन्मूलन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

किसान की जीवन निर्वाह आय यकीनी बनाएं

देविंदर शर्मा

किसानों के लिए जीवन निर्वाह आय की विभिन्न परिभाषाएं दी जाती रही हैं। इसको लेकर एक परिभाषा 1.8 मिलियन से अधिक किसानों के सहकार वाले वैश्विक आंदोलन फेयरट्रेड इंटरनेशनल ने भी दी है जिसके मुताबिक, घर के सभी सदस्यों के लिए एक सभ्य जीवन स्तर वहन करने के लिए पर्याप्त आय- जिसमें पौष्टिक आहार, स्वच्छ पानी, ठीक-ठाक आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और अन्य मूलभूत जरूरतों के साथ ही आपातकालीन स्थिति और बचत के लिए थोड़ा अतिरिक्त। उसके बाद जब एक बार कृषि लागत कवर हो जाये।' अपने विनम्र ढंग से मैं लगातार उस आर्थिक नुकसान की ओर ध्यान दिलाता रहा हूं जिसे भारतीय किसान झेल रहे हैं। किसानों को जीवन निर्वाह योग्य आमदन देने में आनाकानी ने कृषि संकट को बढ़ावा दिया है। दशकों से, हालांकि कृषि पैदावार में आशातीत वृद्धि हुई है लेकिन किसान की आय में सतत गिरावट जारी रही है। कई तरह से, यह कहना गलत नहीं होगा कि पैदावार में वृद्धि कृषक परिवारों की असल आमदन में औसत गिरावट की विपरीत समानुपातिक रही है।

साल 2016 के आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत के 17 राज्यों में, यानी तकरीबन आधे देश में किसानों की औसत आमदन मात्र 20,000 रुपये यानी 241 डॉलर प्रति वर्ष थी। इसका अर्थ है कि एक औसत किसान परिवार 1,700 रुपये यानी 21 डॉलर प्रति माह से कम में गुजर-बसर कर रहा था। यदि आप गांव में रहते हैं तो यह आय एक गाय पालने के लिए भी काफी नहीं है। ऐसी हास्यास्पद आय के साथ, किसान जिस दुख और अभाव की स्थिति में रहते हैं उसकी यकीनी तौर पर कल्पना की जा सकती है। यह दयनीय आय स्तर आधे देश में रह रहे किसानों के लिए है। परंतु राष्ट्रीय स्तर पर भी तसवीर इतनी ही अपमानजनक है। कृषक परिवारों के लिए सिचुएशनल एसेसमेंट सर्वे 2019 के मुताबिक, किसान परिवार की सभी स्रोतों से औसत मासिक आय मात्र 10218 रुपये यानी 123 डॉलर बनती है।

यह मानते हुए कि देश की कुल जनसंख्या का लगभग 50 फीसदी हिस्सा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर खेती में कार्यरत है, किसानों की दुर्दशा के पीछे मौजूद प्राथमिक वजह साफ तौर पर समझे जाने योग्य है। वैश्विक स्तर पर भी, खेती का परिदृश्य इतना ही निराशाजनक है। यदि कृषि में बड़े पैमाने पर घरेलू समर्थन जो 2019-21 में सार्वजनिक

बजट से भुगतान किया गया 500 बिलियन डॉलर ङ्क वापस ले लिया गया, तो विकसित देशों में खेती में जो कुछ भी बाकी है, उसका पतन निश्चित है। सरल शब्दों में कहें तो खेती करने वाली आबादी को लगातार वेंटिलेटर पर रखने का निरंतर प्रयास ही किसानों को जीवित रखता है, और किसी तरह से सभी रुकावटों के खिलाफ संघर्ष करने का बंदोबस्त करता है। दुनिया के सामने आ रहा खेती से यह पलायन एक आर्थिक षड्यंत्र का परिणाम है जिसने जानबूझकर खेती को गरीब बनाए रखा है। अन्य शब्दों में, विश्व स्तर पर और राष्ट्रीय स्तर पर भी, यह आर्थिक डिजाइन है जिसने कृषक परिवारों को जीवन निर्वाह योग्य आय से महरूम कर दिया है, जिससे कृषि के पराभव को और बदतर कर दिया है। इस अहम मोड़ पर, फेयर ट्रेड, सॉलिडेरिडाड, रेनफॉरेस्ट एलायंस, ऑक्सफैम और माइटी अर्थ सहित 70 अंतर्राष्ट्रीय सिविल सोसायटी संगठनों (सीएसओ) के एक ग्रुप को यूरोपीय संघ के कॉरपोरेट सस्टेनेबिलिटी ड्यू डिलिजेंस निर्देश (सीएसडीडीडी) में संशोधन की मांग करते हुए देखना बहुत खुशी की बात है जो प्रस्ताव में जीवन निर्वाह आमदन और खरी खरीद प्रथाओं को शामिल करने के लिए है। 'हम सीएसडीडीडी और कंपनियों की वैश्विक मूल्य शृंखलाओं के मानव अधिकारों और पर्यावरणीय प्रभाव को संबोधित करने के इसके लक्ष्य का स्वागत करते हैं। हालांकि, सकारात्मक बदलावों को लाने के लिए, इसे अधिकार धारकों के हितों और जरूरतों को ध्यान में रखना चाहिए, खास तौर पर उनके जो वैश्विक मूल्य शृंखलाओं में सबसे कमजोर हैं।'

हालांकि यूरोपियन संसद ने पहले ही जीवन निर्वाह आय का संदर्भ (अनुलग्नक का भाग 1, उपशीर्षक 1, बिंदु 7) शामिल कर लिया है जिसमें कहा गया है कि काम की न्यायसंगत और अनुकूल परिस्थितियों का आनंद लेने का अधिकार, जिसमें सभ्य जिंदगी जीने के योग्य पारिश्रमिक भी शामिल है। सीएसओ की संयुक्त याचिका में 'स्वरोजगार वाले श्रमिकों के लिए जीवन निर्वाह योग्य मजदूरी और छोटे किसानों के लिए जीवन निर्वाह आय का अधिकार दोनों शामिल हैं' जिसमें गुजारे योग्य आय का स्पष्ट संदर्भ मांगा गया है ताकि छोटे भूमालिक और अन्य कमजोर वर्ग वास्तव में लाभ उठा सकें। यह जानते हुए कि छोटे भूमालिक दुनिया की कुल खाद्य आपूर्ति का एक तिहाई हिस्सा पैदा करते हैं, और मूल निवासी एवं स्थानीय समुदाय वनों के करीब 1 बिलियन हेक्टेयर का प्रबंधन करते हैं, उनकी गुजारे लायक आजीविका सुरक्षा यकीनी बनाना महत्वपूर्ण है।

टेक्नोलॉजी ने आसान किये जमीन के काम

वीएस कुंडु

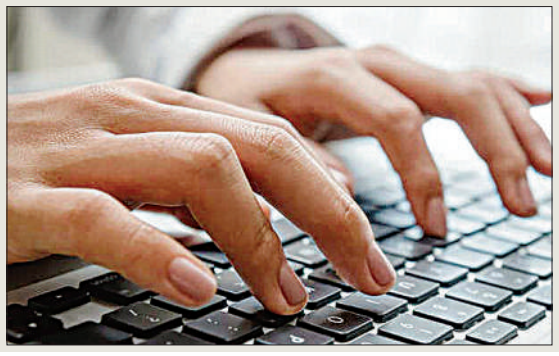

प्रदेश में राजस्व सुधार से हरियाणा में लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। अपनी प्रगतिशील सोच और आधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग से वर्तमान नेतृत्व ने राज्य में भूमि बंदोबस्त को नई ऊंचाइयां दी हैं। इससे विवादों में जहां कमी आई है वहीं नागरिकों की मुश्किलें आसान हुई हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अपने जमीनी स्तर के लंबे अनुभवों के आधार पर राजस्व से जुड़ी सभी कठिनाइयों का समाधान का प्रयास है, जिससे लोग सबसे ज्यादा परेशान थे। उसमें राजस्व सुधार प्रमुख है। हरियाणा में भूमि दस्तावेज प्रबंधन में डिजिटल प्रौद्योगिकी का प्रयोग किया गया है। भूमि संबंधी सारे दस्तावेजों का कंप्यूटरीकरण करने के मामले में हरियाणा देश का पहला राज्य है, जहां के जिलों और तहसीलों के राजस्व संबंधी लगभग सभी रिकॉर्ड ऑन लाइन कर दिए गए हैं।

दस्तावेजों का डिजिटलीकरण कर दिया गया है। इसके अगले चरण में जमीन की फर्द को भी ऑनलाइन कर दिया गया है। फर्द लेने के लिए अब किसी नागरिक को तहसील अथवा जिला मुख्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ते हैं। भू-राजस्व से जुड़े मसले बेहद संवेदनशील होने की वजह से यह बड़ी समस्या भी थी, जिसमें अपनी ही जमीन से संबंधित दस्तावेज प्राप्त करना कड़ी चुनौती होती थी। राजस्व सुधार के तहत इसे आधुनिक टेक्नोलॉजी से जोड़ दिया गया है। अब घर बैठे कोई भी व्यक्ति अपनी जमीन संबंधी सारे दस्तावेज डाउनलोड कर सकता है। ये बदलाव होने से पूर्व जमीनों का बैनामा (रजिस्ट्री) कराना किसी युद्ध से कम नहीं होता था, लेकिन राज्य के मौजूदा नेतृत्व की पहल ने इसे आसान बना दिया है। इसी तरह रजिस्ट्री कार्यालयों का पूरी तरह कंप्यूटरीकरण हो जाने से सारी प्रणाली ऑनलाइन हो चुकी है। सरकार के इस कदम से सुशासन को बल मिला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी हरियाणा में राजस्व सुधार को लेकर मुख्यमंत्री की प्रशंसा की है।

दरअसल, राजस्व सुधार में दूसरा बड़ा कदम भूमि संबंधी बैनामा (रजिस्ट्री) प्रणाली में उठाया गया है। रजिस्ट्री से संबंधित विवादों की संख्या में लगातार भारी बढ़ोतरी सरकार के लिए समस्या बनी हुई थी। शासन-प्रशासन ने इस समस्या को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया। ई-पंजीकरण प्रणाली शुरू हो जाने से जहां पूरा सिस्टम पारदर्शी हो गया है वहीं बैनामा कराना बहुत आसान हो गया है। अब लोगों को रजिस्ट्री कराने के लिए तहसीलों में लंबा इंतजार करने से मुक्ति मिल गई है। रजिस्ट्री कराने के लिए व्यक्ति पहले से 'एप्वाइंटमेंट' ले सकता है। हरियाणा की तहसीलों और उप तहसीलों में ई-रजिस्ट्रेशन प्रणाली की शुरुआत 2015 से ही हो गई थी। रजिस्ट्री के दस्तावेज प्राप्त करने के लिए भी व्यक्ति को तहसील मुख्यालय आने की जरूरत नहीं है। रजिस्ट्री तीन दिनों के भीतर डाक के माध्यम से उसके पते पर प्राप्त की जा सकती है। वहीं वर्ष 2017 से हरियाणा में रजिस्ट्री में काम आने वाले स्टैंप पेपर की जगह ई-स्टैंप प्रणाली शुरू हो चुकी है। वहीं तहसीलों में पैन की ऑनलाइन सत्यापन सेवा उपलब्ध है। राज्य के तहसील मुख्यालयों में सदियों पुराने राजस्व रिकार्ड को सुरक्षित रखने के लिए उसका भी डिजिटलीकरण कर दिया है।

डिजिटल रिकार्ड के संरक्षण के लिए आधुनिक रिकार्ड रूम बनाए गए हैं। इसी प्रकार, पहले प्रदेश में भूमि अधिग्रहण की समस्या गंभीर थी। किसानों की भूमि का जबरन अधिग्रहण आम बात थी, जिसे मौजूदा मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता के साथ समाप्त कराया। पुरानी व्यवस्था की जगह नया ई-भूमि पोर्टल लांच किया। इसके प्रावधानों के मुताबिक, राज्य में विकास कार्यों के लिए किसान अपनी जमीन स्वेच्छा से दे सकता है। इसका उद्देश्य राज्य में होने वाले विकास कार्यों में किसानों को शामिल करना है। इस पहल का नतीजा यह रहा कि ई-भूमि वेबपोर्टल पर अब तक 10,436 किसानों ने अपनी लगभग 26,837 एकड़ भूमि का पंजीकरण करा लिया है। राजस्व सुधार के पीछे मंशा यह थी कि किसानों की जमीन का अधिग्रहण उनकी मर्जी के बगैर नहीं होना चाहिए। वहीं सहमति से होने वाले भू-अधिग्रहण की प्रक्रिया में उन्हें उचित मुआवजा मिलना सुनिश्चित होना चाहिए।

एक अन्य पहल के तहत, राजस्व सुधार में गांवों के लाल डोरे के अंदर की प्रॉपर्टी का मालिकाना हक दिलाना सबसे बड़ा प्रावधान है। चुनावी घोषणा पत्र को लागू करते हुए मुख्यमंत्री ने स्वामित्व योजना लागू कर गांव के लोगों को उनकी प्रॉपर्टी का अधिकार सौंप दिया। हरियाणा की इस योजना की लोकप्रियता को देखते हुए 24 अप्रैल, 2020 को इसे पूरे देश में 'प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना' के नाम से लागू किया गया। अब यह योजना ज्यादातर राज्यों में तेजी से लागू की जा रही है। दरअसल, लाल डोरे के दायरे वाली प्रॉपर्टी का इसके पहले तक कोई रिकॉर्ड नहीं होता था। इसी वजह से ग्रामीण क्षेत्र में ऐसी प्रॉपर्टी को लेकर बहुत ज्यादा विवाद हैं। मालिकाना हक के झगड़ों से निचली अदालतें परेशान रही हैं। अब हरियाणा के सभी गांव लाल डोरा मुक्त हो चुके हैं, ज्यादातर लोगों को उनकी प्रॉपर्टी के कार्ड सौंप दिए गए हैं। इसके चलते राज्य में लगभग साढ़े चार हजार से अधिक संपत्तियों की रजिस्ट्रियां भी की जा चुकी हैं।

सर्दियों में इस तरह करें ऊनी कपड़ों की देखभाल सालों-साल रहेंगे नए जैसे

सर्दियों के मौसम में लोग महंगे-महंगे गर्म और ऊनी कपड़े खरीदते हैं। लेकिन अक्सर इन कपड़ों की देखभाल ना करने और सही तरीके से न स्टोर करने की वजह से ये कुछ ही समय में बेरंग और पुराने लगने लगते हैं। ऊनी कपड़े वैसे तो काफी मोटे होते हैं लेकिन ये काफी नाजुक भी होते हैं इसलिए इनको धोने और रखने का तरीका बाकी कपड़ों की तुलना में थोड़ा अलग होता है। इन कपड़ों की हिफाजत करने के लिए सबसे जरूरी है कि उनसे नमी को दूर रखा जाए। इसके साथ ही इन्हें धोने, सुखाने और प्रेस करने का भी एक अलग तरीका होता है। अगर आप ऊनी और गर्म कपड़ों को सही तरीके से रखेंगे, तो ये सालों-साल चलेंगे और नए जैसे रहेंगे।

नमी वाले स्थान पर न स्टोर करें

ऊनी कपड़ों को हमेशा सूखे स्थान पर ही स्टोर करना चाहिए। इन्हें हर रोज पहनना और उतारना पड़ता है। लापरवाही में हम कई बार बाथरूम में भी ऊनी कपड़ों को छोड़ देते हैं जो सही तरीका नहीं है। जो ऊनी कपड़े आप उपयोग में ना ला रहे हों, उन्हें धूप में सुखाकर किसी सूखी और बंद जगह पर रख दें।

दिखाते रहें धूप

ठंड के मौसम में अक्सर नमी रहती है और नमी ऊनी और गर्म कपड़ों की दुश्मन होती है। नमी के कारण ऊनी कपड़ों में फंगस लग जाते हैं जो कई बार ऊपर से दिखाई तो नहीं पड़ते लेकिन यह सेहत के लिए बहुत नुकसानदेह होते है। इसलिए गर्म कपड़ों को धूप में दिखाना जरूरी होता है।

कपड़ों पर लगे दाग ऐसे छुड़ाएं

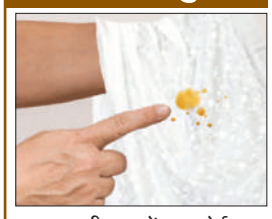

अगर ऊनी कप?ों पर कोई दाग लग जाए तो पहले पानी को हल्का गुनगुना कीजिए। ध्यान रखें कि पानी बहुत ज्यादा गर्म नहीं होना चाहिए। अब इस गुनगुने पानी में थोड़ा-सा स्पिरिट मिला लें। इस स्पिरिट वाले गुनगुने पानी से ऊनी कपड़े को धोएं।

गर्म पानी का भूलकर भी न करें इस्तेमाल

ऊनी और गर्म कपड़े बेहद मुलायम होते हैं। इन्हें गर्म पानी से दूर रखना चाहिए। गर्म पानी में धुलने से कपड़े सिकुड़ जाने का खतरा रहता है। इसलिए इन्हे ठंडे पानी से ही धोना चाहिए। हालांकि बहुत गंदे कपड़े धोने के लिए हल्के गुनगुने पानी का उपयोग किया जा सकता है।

आयरन के लिए सामान्य प्रेस का यूज न करें

ऊनी कप?ों को आयरन करने के लिए सामान्य आयन का उपयोग नहीं चाहिए। ऊनी और गर्म कपड़ों के लिए हमेशा स्टीम आयन का ही प्रयोग करना चाहिए। अगर घर में स्टीम आयन नहीं उपलब्ध है तो ऊनी और गर्म कपड़ों के ऊपर एक सूती का कपड़ा रखकर प्रेस करें।

ऊनी कपड़े लिक्विड डिटरजेंट से ही धोएं

ऊनी कपड़ों को धुलने के लिए हमेशा लिक्विड डिटरजेंट का ही इस्तेमाल करना चाहिए। इसमें बहुत ही सॉफ्ट केमिकल होते हैं जो ऊनी कपड़ों के लिए सूटेबल होते हैं। इसके अलावा ऊनी और गर्म कपड़ों को मुलायम ब्रश से ही साफ करना चाहिए। वाशिंग मशीन में भी ऊनी और गर्म कपड़ों को नहीं धोना चाहिए।

हंसना मना है

प्रेमी: बेवफा तूने दिल जला दिया, मेरा दिल जलाकर राख कर दिया। प्रेमिका: तेरी कुर्बानी बेकार नहीं जाएगी। भेज दे राख, बर्तन मांजने के काम आएगी।

मम्मी मैं आज रात को सू-सू करने गया तो पता है क्या हुआ? मम्मी: नहीं तो! क्या हुआ? बच्चा: मैंने जैसे ही बाथरूम का दरवाजा खोला तो लाइट अपने आप चालू हो गई और ठंडी-ठंडी हवा आने लगी। उसकी बात सुनकर मम्मी गुस्से में बोली: तू आज फिर फ्रिज में टॉयलेट कर आया।

टिल्लू: पापा मुझे एक लड़की पसंद है, मैं उससे शादी करना चाहता हूं। पापा: क्या वो भी तुझे पसन्द करती है? टिल्लू: हां जी हां.. पापा: जिस लड़की की पसन्द ऐसी हो मैं उसे अपनी बहू नहीं बना सकता।

एक बुढ़िया अम्मा को एक भिखारी मंदिर के बाहर मिला...भिखारी: भगवान के नाम पर कुछ दे दो मां जी, चार दिन से कुछ नहीं खाया। बुढ़िया अम्मा 500 का नोट निकालते हुए बोली : 400 खुले हैं? भिखारी: हां हैं मां जी। बुढ़िया अम्मा: तो उससे कुछ लेकर खा लेना।

कहानी — स्त्री-भक्त राजा

एक राज्य में अतुलबल पराक्रमी राजा नन्द राज्य करता था। उसकी वीरता चारों दिशाओं में प्रसिद्ध थी। आसपास के सब राजा उसकी वन्दना करते थे। उसका राज्य समुद्र-तट तक फैला हुआ था। उसका मन्त्री वररुचि भी बड़ा विद्वान् और सब शास्त्रों में पारंगत था। उसकी पत्नी का स्वभाव बड़ा तीखा था। एक दिन वह प्रणय-कलह में ही ऐसी रुठ गई कि अनेक प्रकार से मनाने पर भी न मानी। तब, वररुचि ने उससे पूछा-प्रिये! तेरी प्रसन्नता के लिये मैं सब कुछ करने को तैयार हूं। जो तू आदेश करेगी, वही करुँगा। पत्नी ने कहा-अच्छी बात है। मेरा आदेश है कि तू अपना सिर मुंडाकर मेरे पैरों पर गिरकर मुझे मना, तब मैं मानूंगी। वररुचि ने वैसा ही किया। तब वह प्रसन्न हो गई। उसी दिन राजा नन्द की स्त्री भी रुठ गई। नन्द ने भी कहा-प्रिये! तेरी अप्रसन्नता मेरी मृत्यु है। तेरी प्रसन्नता के लिये मैं सब कुछ करने के लिये तैयार हूँ। तू आदेश कर, मैं उसका पालन करुंगा। नन्दपत्नी बोली-मैं चाहती हूँ कि तेरे मुख में लगाम डालकर तुझपर सवार हो जाऊँ, और तू घोड़े की तरह हिनहिनाता हुआ दौड़े। अपनी इस इच्छा के पूरी होने पर ही मैं प्रसन्न होऊँगी। राजा ने भी उसकी इच्छा पूरी करदी। दूसरे दिन सुबह राज-दरबार में जब वररुचि आया तो राजा ने पूछा-मन्त्री! किस पुण्यकाल में तूने अपना सिर मुंडाया है? वररुचि ने उत्तर दिया-राजन् ! मैंने उस पुण्य काल में सिर मुँडाया है, जिस काल में पुरुष मुख में लगाम डालकर हिनहिनाते हुए दौड़ते हैं। **राजा यह सुनकर बड़ा लज्जित हुआ ।**

10 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आप खर्चों की अधिकता से परेशान रहेंगे। व्यवसायिक कौशल को उच्च करने में महती प्रगति के योग रहेंगे। आज आप कामकाज में लगे रह सकते हैं।

तुला

आज कलाकार और साहित्यकारों को कोई विशेष अवसर मिल सकता है। कारोबार में जो लोग कई दिनों से परेशान चल रहे हैं उनको नई उम्मीद की किरण अवश्य मिलेगी।

वृषभ

आज का दिन सकारात्मक परिणाम की प्राप्ति करायेगा। आज आपको कोई उत्तम संपत्ति प्राप्त हो सकती है या किसी पारिवारिक संपत्ति का विवाद सुलझ सकता है।

वृश्चिक

आज का दिन फलदायक रहेगा। यदि आप अपने व्यापार के लिए किसी व्यक्ति से सलाह लेना चाहते हैं, तो ध्यान रहे कि किसी अनुभवी या किसी वरिष्ठ व्यक्ति से ही ले।

मिथुन

आज आपका आत्मविश्वास का स्तर ऊंचा रहेगा। व्यापार में अचानक हुए धन लाभ से आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। इस राशि के छात्र आज अपना प्रोजेक्ट पूरा कर लेंगे।

धनु

आज का दिन यात्रा में बीतेगा। ऑफिस से कोई अच्छी खबर मिल सकती है। आज परिवारवालों के साथ टाइम स्पेंड करने से आपका मन प्रसन्न हो जायेगा।

कर्क

आज कोई बड़ी परेशानी खत्म हो सकती है। अध्यात्म की ओर आपका रुझान पहले से अधिक रहेगा। नए काम की योजना बन सकती है।

मकर

आज आपकी खुशियों में वृद्धि होगी। अपनी विशेषज्ञता का इस्तेमाल पेशेवर मामलों को सहजता से सुलझाने में करें। व्यापार वृद्धि के योग हैं। नए काम मिल सकते हैं।

सिंह

आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आपको अपने किसी भी काम को भाग्य के भरोसे नहीं छोड़ना है, नहीं तो वह लंबा टल सकता है।

कुम्भ

आज का दिन भाग्य के दृष्टिकोण से उत्तम रहने वाला है। आज यदि आप किसी भी नए कार्य को करेंगे,तो उसमें आपको सफलता अवश्य प्राप्त होगी।

कन्या

आज लक्ष्य प्राप्ति के लिए कोशिश करेंगे। जिसका परिणाम बेहतर होगा। आप पहले से जिन योजना को लागू करने को सोच रहे थे आज उन्हें लागू करने का समय आ गया।

मीन

आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। आज आप कुछ नयी प्लानिंग बनाएंगे जिससे बिजनेस में प्रमोशन के नये रास्ते मिलेंगे। आज अपनी व्यक्तिगत साज-सज्जा पर ध्यान दें।

आमिर खान के घर पर चलेगा बुलडोजर

बॉलीवुड के मि. परफेक्टनिस्ट इस समय सुर्खियों में छाए हुए हैं। कुछ दिनों पहले ही खबर आई थी कि अब आमिर खान जल्द ही सनी दओल के साथ फिल्म लाहौर 1947 में नजर आने वाले हैं। इसके बाद ही आमिर खान के बेटे जुनैद खान के बॉलीवुड में एंट्री करने की खबर भी सामने आई और अब आमिर खान को लेकर एक और बड़ी खबर सामने आ रही है। खबर है कि आमिर खान के घर पर बुलडोजर चलेगा। वह नए सिरे से मुंबई के पॉश इलाके में मौजूद अपने पुराने घर को रिनोवेट करने वाले हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो घर के री-कंस्ट्रक्शन के चलते आमिर खान दो महीनों के लिए चेन्नई शिफ्ट होने वाले हैं। आमिर खान के मुंबई छोड़ चेन्नई में रहने की खबर ने उनके फैंस को परेशान कर दिया है। आपको बता दें एक्टर के लोकेशन में इस तरह के बदलाव का कारण उनकी मां जीनत हुसैन हैं। वह इस समय चेन्नई के एक प्राइवेट अस्पताल में अपना इलाज करा रही हैं। ऐसे में आमिर खान अपना पूरा समय अपनी मां को देना चाहते हैं। आपको बता दें कि आमिर खानने चेन्नई में अपनी मां के ट्रीटमेंट सेंटर के पास ही एक होटल में अपने रहने का इंतजाम किया है ताकि जरूरत पड़ने पर वह अपनी मां के पास मौजूद हों। आमिर खान अपनी मां के बेहद करीब हैं। वह अपनी मां से बहुत प्यार करते हैं और उन्हें काफी सपोर्ट भी करते हैं। आमिर खान का अपने परिवार के लिए ये समर्पण उनके मजबूत रिश्तों का सबूत है जो उन्हें एक साथ जोड़े रखता है।

घर का होगा री-कंस्ट्रक्शन

मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक आमिर खान मुंबई के बांद्रा इलाके में एक लग्जीरियस अपार्टमेंट में रहते हैं। कहा जा रहा है कि आमिर खान के घर वाली ये बिल्डिंग दोबारा बनाई जाएगी। इसे तोड़कर नए सिरे से बनवाया जा रहा है। एक बड़ी कंपनी जल्द ही इस बिल्डिंग के री कंस्ट्रक्शन का काम जल्द ही शुरू करेगी। कहा जा रहा है रि यहां नए सिरे से अपार्टमेंट बनाया जाएगा जिसकी कीमत भी ज्याद होगी और एरिया भी।

जानकारी के अनुसार आमिर खान जिस अपार्टमेंट में रहते हैं, उसमें दो बिल्डिंग हैं। इसमें कुल 24 फ्लैट बने हुए हैं। इनमें से एक्टर के पास 9 फ्लैट हैं। इन बिल्डिंग्स का नाम है बेला विस्टा और मरीना अपार्टमेंट।

नीरस दिनों से निपटने को हुमा कुरैशी ने दिया मंत्र

हुमा कुरैशी फिल्मों के साथ-साथ निजी जिंदगी को लेकर भी अक्सर खबरों में बनी रहती हैं। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वालीं अभिनेत्री का हर पोस्ट कुछ ही मिनटों में वायरल हो जाता है। हुमा के चाहने वाले उनसे जुड़ी हर एक बात जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। अभिनेत्री जुलाई महीने में रिलीज हुई फिल्म तरला में नजर आई थीं, जिसे दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया गया था। वहीं, अब हुमा कुरैशी ने नीरस दिनों से निपटने के लिए अपनी राय साझा की है, जिसमें अभिनेत्री ने कहा, इन दिनों में आपके अंदर दुनिया और खुद की बेतुकी बातों पर हंसने की क्षमता होनी चाहिए।

मीडिया से बातचीत में हुमा कुरैशी ने कहा, मेरा मानना है कि इन दिनों से निपटने के लिए हास्य सबसे अच्छा तरीका है। अभिनेत्री कहती हैं, मैं खुद को खुश रखने की कोशिश करती हूं। जब तक मैं किसी मनोरंजक चीज को देखकर या पढ़कर जोर से नहीं हंस देती, तब तक मेरे दिन की शुरुआत ही नहीं होती। हास्य की अच्छी समझ मदद करती है।

बॉलीवुड | मन की बात

टीवी एक्टर को फिल्म वाले बहुत जलील करते हैं : विक्रांत मैसी

छोटे पर्दे से निकल कर अभिनेता विक्रांत मैसी ने हिंदी फिल्मों में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। विक्रांत मैसी का मानना है कि छोटे पर्दे के एक्टर को फिल्मों में गंभीरता से नहीं लिया जाता है। वह खुद को भाग्यशाली मानते कि हिंदी फिल्मों में उन्हें सिनेमा के दिग्गज निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिला है। विक्रांत मैसी की अगली फिल्म 12 वीं फेल 27 अक्टूबर को रिलीज हो रही है। विक्रांत मैसी ने एक अखबार को दिये इंटरव्यू में कहा टीवी इंडस्ट्री से अचानक फिल्मों में आया तो मेरे लिए कैमरे से लेकर सब कुछ बड़ा था। टीवी शूटिंग के दौरान 50-60 लोगों की यूनिट होती थी और फिल्मों में एक साथ 200 लोग एक साथ सेट पर होते हैं। सब लोग फर्राटेदार अंग्रेजी में बात कर रहे होते थे और तब अंग्रेजी में मेरा हाथ काफी तंग था। टीवी एक्टर को फिल्मवाले बहुत जलील करते हैं। मैं यह नहीं कहता कि मेरे साथ वहां ऐसा हुआ, लेकिन आम तौर पर ऐसा होता है। उन्होंने कहा, लोग सोचते हैं कि लोखंडवाला (मुंबई के अंधेरी पश्चिम का एक इलाका, जहां संघर्षशील कलाकार रहते हैं) का एक्टर है, बॉडी बना कर घूमते रहते हैं, बस। मेरे लिए चुनौती ये थी कि खुद को साबित करना है। जो काम मिला है, उसे पूरी ईमानदारी के साथ बखूबी करना है। कास्टिंग डायरेक्टर अतुल मोंगिया ने मुझे लुटेरा के ऑडिशन के लिए बुलाया था। अतुल मोंगिया से मेरी सिफारिश निर्देशक अनुराग कश्यप ने की थी। वह मेरे जीवन का पहला फिल्म ऑडिशन था। लेकिन मैं रिजेक्ट हो गया था। जो एक्टर ये किरदार करने वाले थे उन्होंने शूटिंग से दो हफ्ते पहले ही मना कर दिया। तब मेरे पास कॉल आया और मैंने ये फिल्म की। यह भाग्य का ही खेल रहा। मैं अपने को काफी भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे फिल्मों में अच्छे निर्देशकों के साथ लगातार काम करने का मौका मिला। फिल्म छपाक में अनुभवों को साझा करते हुए कहा, छपाक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर आधरित फिल्म थी। इस फिल्म में मेघना गुलजार के निर्देशन में काम करने का मौका मिला। निर्देशन की कला उनको अपने पिता गुलजार साहब से उपहार में मिली है। दीपिका पादुकोण के साथ इस फिल्म में काम करने से पहले मेरे मन में ऐसी छवि थी कि वह बहुत बड़ी स्टार हैं। लेकिन जब आप करीब से देखते हैं, तो लगता कि कितनी मेहनत करते हैं ये कामयाब सितारे। इतनी आसानी से किसी को सफलता नहीं मिलती है। वह मेकअप मिलाकर 16-17 घंटे काम करती थीं। काम के प्रति उनका समर्पण देखने को मिला।

हवाईजवाज के पीछे क्यों बनाया जाता है छेद? क्या इससे बाहर गिर सकते हैं यात्री

आज के समय में ज्यादातर लोग एयर ट्रेवल पसंद करते हैं। इस माध्यम से जल्दी ही सफर तय कर लिया जाता है। साथ ही इंसान को कम थकावट होती है। प्लेन से लंबी दूरी की यात्रा जल्दी तय कर ली जाती है। इस वजह से लोग आज के समय में फ्लाइट को ही प्रेफर करते हैं। जहां इंसान ट्रेन से सफर करता है तब उसे कम सिक्युरिटी चेक से गुजरना पड़ता है। भारत में ट्रेन यात्रियों की तलाशी काफी कम होती है। लेकिन फ्लाइट में सिक्युरिटी चेकिंग काफी टाइट होती है। प्लेन में इतनी टाइट सिक्युरिटी की खास वजह होती है। दरअसल, प्लेन से यात्रा करना काफी रिस्की होता है। प्लेन काफी रिफाइंड पेट्रोल से चलता है। इस वजह से थोड़ी सी भी लापरवाही बड़े हादसे में बदल सकती है। प्लेन में हर एक चीज की उड़ान से पहले चेकिंग की जाती है। कहीं से कोई गैप नहीं रखा जाता ताकि हादसा ना हो जाए। लेकिन क्या आपने कभी प्लेन के आखिरी हिस्से में बने बड़े से छेद को देखा है? जी हां, पैसेंजर प्लेन के आखिर में होता है एक बड़ा सा छेद। इसकी खास वजह होती है। aft pressure bulkhead प्लेन के आखिर में बने छेद को कहते हैं। ये सिर्फ बाहर से ही छेद जैसा नजर आता है। ये सच की ओपनिंग नहीं होती है। प्लेन के अंदर पैसेंजर को प्रेशर सील करके दिया जाता है ताकि उन्हें सांस लेने में दिक्कत ना हो। जबकि बाहर की तरफ प्रेशर फ्री माहौल चाहिए। ताकि प्लेन आराम से उड़ान भरे। इस डिफरेंस को मेंटेन करने के लिए ही इस छेद को बनाया जाता है।

अजब-गजब | हमारे चमड़े के नीचे होता है अजीब चमत्कार!

जब खून का रंग लाल तो नसें क्यों दिखती हैं हरी? आखिर क्यों बदल जाता है कलर

इंसान की बॉडी काफी काम्प्लेक्स है। इसके अंदर कई तरह के फंक्शन कर समय होते रहते हैं। भगवान ने काफी सोच-समझकर इंसान की बॉडी बनाई है। हर एक अंग और ऑर्गन का अपना काम है। इंसान की बॉडी खून से चलती है। इस खून के ट्रांसफर के लिए बॉडी के अंदर नसों का एक नेटवर्क है। इसके जरिये ही खून इंसान की बॉडी के हर एक हिस्से में पहुंचता है। लेकिन एक सवाल जो कई बार लोगों के जेहन में आता है, वो ये है कि जब इंसान का खून लाल होता है तो उसे बॉडी में कैरी करने वाली नसें हरी या नीली नजर क्यों आती है?

जी हां, जब बॉडी में अचानक कहीं चोट लग जाती है या चमड़ी कट जाती है तो इससे लाल रंग का खून निकलने लगता है। यानी इंसान की बॉडी के अंदर बहने वाले खून का रंग लाल है। लेकिन जब इसी खून को बॉडी के हर हिस्से में पहुंचाने वाली नसों को शरीर के ऊपर से देखा जाता है तो इसका रंग नीला या हरा नजर आता है। आखिर ऐसा कैसे होता है? जब खून लाल है तो उसे ले जाने वाली नसें हरी-नीली कैसे हो जाती है? दरअसल, इन नसों के अंदर बहने वाला खून तो लाल ही होता है लेकिन नसों के अलग रंग के होने के पीछे साइंस छिपा है।

जब सूरज की सफेद रोशनी बॉडी पर पड़ती है तो लाल रंग प्रकाश को सोख लेता है। ये फैलता नहीं है। इस वजह से लाल रंग चमड़ी के ऊपर नजर नहीं आता है। वहीं नीला या हरा रंग बॉडी सोख नहीं पाती और फैल जाती है। इस वजह से चमड़े के ऊपर से नसों का रंग हरा या नीला नजर आता है। यही कारण है कि बॉडी के बाहर से नसों का रंग हरा या नीला नजर आता है नाकि लाल।

नौ साल में नौकरशाही का भाजपा ने किया राजनीतिकरण : खरगे

» कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर जताई चिंता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। उनहोंने पीएम को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि अधिकारियों को सरकार की पिछले नौ वर्षों की उपलब्धियों का प्रचार करने का हालिया आदेश नौकरशाही का राजनीतिकरण है। उन्होंने कहा कि इसे वापस लिया जाना चाहिए। अपने पत्र में खरगे ने 18 अक्टूबर को जारी सरकारी आदेश पर आपत्ति जताई और दावा किया कि आदेश में संयुक्त सचिव, निदेशक और उपसचिव जैसे उच्च रैंक के वरिष्ठ अधिकारियों को देश के सभी 765 जिलों में रथ प्रभारी के रूप में तैनात किया जाना है, जो भारत सरकार की पिछले नौ वर्षों की उपलब्धियों का प्रचार करेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष ने नौ अक्टूबर, 2023 के रक्षा मंत्रालय के एक अन्य आदेश का भी हवाला दिया, जिसमें वार्षिक छुट्टी पर गए जवानों को सैनिक राजदूत बनाते हुए सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार में समय बिताने का निर्देश दिया गया है। खरगे ने आरोप लगाया कि वरिष्ठ अधिकारियों को मौजूदा सरकार की प्रचार गतिविधि में लगाया जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया, मोदी सरकार के लिए, सरकार की सभी एजेंसियां, संस्थान, प्रतिष्ठान और विभाग अब आधिकारिक तौर पर प्रचारक हैं। खरगे ने पत्र साझा करते हुए कहा, हमारे लोकतंत्र और हमारे संविधान की रक्षा के मद्देनजर, यह जरूरी है कि नौकरशाही और हमारे सशस्त्र बलों के राजनीतिकरण को बढ़ावा देने वाले आदेशों को तुरंत वापस लिया जाए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी एक्स पर यह पत्र साझा किया और कहा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी ने प्रधानमंत्री को नौकरशाहों और सैनिकों के हो रहे जबरदस्त राजनीतिकरण पर लिखा है, जिन्हें हमेशा निष्पक्ष और गैर-राजनीतिक रखा जाना चाहिए।

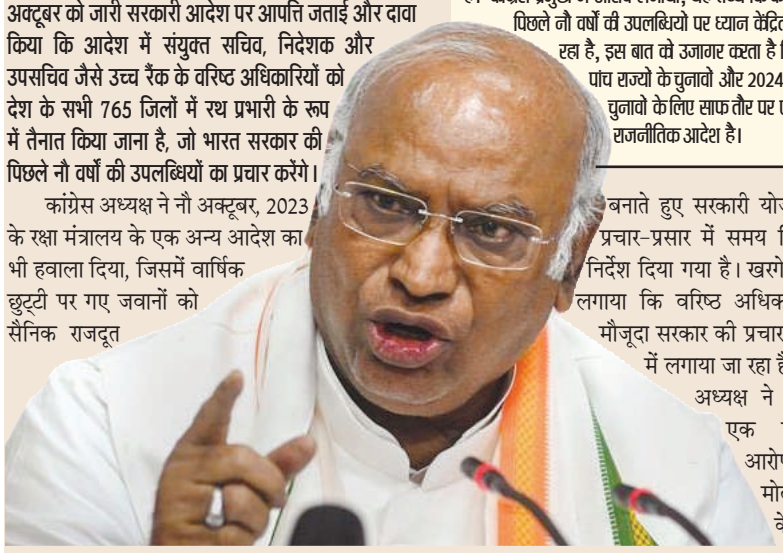

केंद्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1964 का स्पष्ट उल्लंघन

उन्होने दावा किया, यह केंद्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1964 का स्पष्ट उल्लंघन है, जो निर्देश देता है कि कोई भी सरकारी कर्मचारी किसी भी राजनीतिक गतिविधि मे भाग नही लेगा। कांग्रेस नेता ने कहा, हालांकि, सरकारी अधिकारियो द्वारा सूचना प्रसारित करना स्वीकार्य है, लेकिन उन्हे जश्न मनाने और उपलब्धियो का प्रचार करने के लिए मजबूर करना, उन्हे स्पष्ट रूप से सत्तारूढ़ दल के राजनीतिक कार्यकर्ता मे बदल देता है। कांग्रेस प्रमुख ने आरोप लगाया, यह तथ्य कि केवल पिछले नौ वर्षों की उपलब्धियो पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, इस बात को उजागर करता है कि यह पांच राज्यो के चुनावो और 2024 के आम चुनावो के लिए साफ तौर पर एक राजनीतिक आदेश है।

कांग्रेस को जमीनी स्तर तक पहुंचने से परेशानी है : नड्डा

कांग्रेस की आपत्ति पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने कहा कि सार्वजनिक सेवा का प्रसार उसके (कांग्रेस) लिए एक अनूठी अवधारणा हो सकता है क्योंकि उसकी एकमात्र रुचि गरीबो को गरीबी मे रखना है। नड्डा ने एक्स पर एक पोस्ट मे कहा, मुझे यह देखकर हैरानी होती है कि कांग्रेस पार्टी को लोकसेवको के योजनाओ का कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए जमीनी स्तर तक पहुंचने से परेशानी है। उन्होने पूछा, अगर यह शासन का मूल सिद्धांत नही, तो और क्या है?

आजम खां ने जताई एनकाउंटर की आशंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा नेता आजम खां को सीतापुर और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को रविवार को रामपुर जेल से निकालकर हरदोई जेल शिफ्ट कर दिया गया। रामपुर जेल से निकलते वक्त सपा नेता आजम खां ने खुद के एनकाउंटर की आशंका जताई। उनकी इस दौरान गाड़ी में बैठने को लेकर भी तकरार हुई। उन्होंने कहा, कम से कम हमारी उम्र का ख्याल तो रखिए।

सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खां व पत्नी डॉ. तजीन फात्मा दो जन्म प्रमाण पत्र के मामले में सात साल की सजा काट रहे हैं। 18 अक्तूबर को एमपीएमएलए कोर्ट ने उनको सात-सात साल की कैद व जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई थी।

सजा के बाद पुलिस ने उनको रामपुर जेल भेज दिया था। शनिवार की रात में शासन से सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को रामपुर जेल से शिफ्ट करने के आदेश जारी किए गए थे, जिसके बाद रविवार की तड़के करीब 4.40 बजे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को जेल के बैरक से बाहर निकाला गया। पुलिस ने दोनों को अलग-अलग गाड़ियों में बिठाया और फिर उनको कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच यहां से ले जाया गया। जेल से निकलने के दौरान मीडिया से मुखातिब होते हुए आजम खां ने कहा कि उनका एनकाउंटर हो सकता है। कुछ भी हो सकता है। इसके बाद गाड़ी में बैठने के दौरान भी उनकी पुलिस कर्मियों से नोकझोंक हुई। आजम बोले, कम से कम हमारी उम्र का तो ख्याल रख लिया होता। पुलिस आजम खां को पुलिस की गाड़ी से जबकि अब्दुल्ला को कैदी वाहन से ले गई। जेल अधीक्षक प्रशांत मौर्य ने बताया कि सपा नेता आजम खां को सीतापुर की जेल, जबकि उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को हरदोई जेल में शिफ्ट किया गया है। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उनको यहां से रवाना कर दिया गया।

बृजभूषण की दलील, गवाहों के बयानों में विरोधाभास

» भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष ने की खुद के बरी होने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न के मामले में खुद को बरी करने की मांग की है।

बृजभूषण की ओर से दिल्ली की कोर्ट में पेश हुए अधिवक्ता राजीव मोहन ने दलील दी है कि इस मामले में गवाहों के बयानों में परस्पर विरोधाभास है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इस मामले को देखने के लिए बनायी गई निरीक्षण समिति को सात दिनों के भीतर प्राथमिकी दर्ज करने की सिफारिश करनी थी, लेकिन समिति ने ऐसा कुछ नहीं किया है। सिंह को आरोप मुक्त करने की मांग करते हुए उनके अधिवक्ता ने कहा है कि चूंकि निरीक्षण समिति ने कोई सिफारिश नहीं की है इसलिए प्रथम दृष्ट्या यह मामला बताता है कि बृजभूषण सिंह के खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं मिले हैं।

वकील ने कहा- शिकायतकर्ताओं ने निजी कारणों से लगाए आरोप

खास बात यह है कि बृजभूषण सिंह मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट में मौजूद नहीं थे क्योंकि उनके वकील ने उन्हें छूट देने की अर्जी दायर की थी जिसे कोर्ट ने स्वीकार किया है। बता दें कि बृजभूषण सिंह के खिलाफ छह महिला पहलवानों ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। इस संबंध में उनके अधिवक्ता ने कोर्ट में कहा कि सभी शिकायतकर्ताओं ने निजी कारणों से आरोप लगाए और उनके समर्थन में उनके परिवार के अलावा कोच या बाकी किसी ने कोई बयान नहीं दिया है।

मनोज जरांगे ने महाराष्ट्र सरकार के विज्ञापन पर उठाए सवाल

» मराठा समाज को लुभाने को निकाला गया था विज्ञापन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मराठा आरक्षण को लेकर महाराष्ट्र की शिंदे-भाजपा सरकार मुश्किलों में घिरती जा रही है। इस बीच महाराष्ट्र सरकार ने सभी अखबारो में मराठा समाज के लिए किए गए कामों को गिनवाते हुए 'मौके को गोल्ड करते हुए सकारात्मक ध्येय की तरफ बढ़ते चलो' एक विज्ञापन निकाला। लेकिन इस विज्ञापन के जारी होने के बाद मराठा आरक्षण के आंदोलनकर्ता मनोज जरांगे पाटिल ने इस विज्ञापन पर सवाल उठाए हैं। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने भी सरकार पर निशाना साधा।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कल के विज्ञापन में सरकार ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर (ईडब्लूएस) आरक्षण का सबसे ज्यादा लाभ मराठा समाज को मिला है, जिसमें शिक्षा और सरकारी नौकरियां शामिल हैं और इसके साथ ही छात्रों को स्कॉलरशिप के लिए 9 हजार 262 करोड़ रुपए खर्च किए गए। इस पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने कहा कि मराठा समाज को ईडब्लूएस आरक्षण का विकल्प मान्य नहीं है और मराठा समाज ने आरक्षण मांगने के बजाय 10 प्रतिशत वाला आर्थिक रूप से कमजोर आरक्षण का विकल्प चुनें, यह मराठा समाज के प्रति सरकार की कैसी भूमिका है।

मराठा समाज को मिले कुनबी समाज का जाति प्रमाणपत्र

मनोज जरांगे पाटिल ने कहा कि ईडब्लूएस आरक्षण का फायदा सभी को है, आपसे ईडब्लूएस में आरक्षण किसने मांगा था। उन्होंने कहा कि मराठा समाज को कुनबी समाज का जाति प्रमाणपत्र मिले और ओबीसी में आरक्षण दें। विज्ञापन पर सवाल उठने के बाद शिंदे सरकार ने आज फिर से एक नया विज्ञापन दशहरे से एक दिन पहले जारी किया और उस विज्ञापन में मराठा आरक्षण पूरा करने का वचन देते हुए सरकार ने मराठा समाज को आश्वस्त किया है कि संविधान कि चौखट में और न्यायालय में टिकने वाला आरक्षण देने के लिए सरकार वचनबद्ध है। इस विज्ञापन में पीएम मोदी के साथ मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्रियों की तस्वीर लगी है।

कोहली के 'विराट' प्रदर्शन से भारत पहुंचा टाप पर

» 20 साल बाद न्यूजीलैंड को आईसीसी इवेंट में हराया

» मोहम्मद शमी ने झटके पांच विकेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

धर्मशाला। आईसीसी क्रिकेट विश्वकप 2023 में भारतीय टीम अपने विजय रथ पर सवार है। रविवार 22 अक्टूबर को धर्मशाला की पहाड़ियों के बीच खेले गए विश्वकप के अपने पांचवे मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर 2019 विश्वकप की हार का बदला पूरा किया, साथ ही पिछले दो दशकों से आईसीसी टूर्नामेंट्स में न्यूजीलैंड से जीत के सूखे को भी खत्म कर दिया।

भारत की इस जीत में एक बार फिर भारतीय टीम की उम्मीद और दुनिया के वर्तमान समय के महान बल्लेबाज विराट कोहली अहम कड़ी रहे। क्योंकि मुश्किल में फंसी टीम इंडिया को निकालकर कोहली ने जीत की दहलीज तक पहुंचा दिया। तो वहीं इस विश्वकप में अपना पहला मैच खेल रहे मोहम्मद शमी ने पांच विकेट झटकर कीवी टीम को सिर्फ 273 रनों पर ही रोक दिया। अपनी लगातार पांचवी जीत के साथ भारत विश्वकप की अंक तालिका में एक बार फिर शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है।

इस मैच में कीवी टीम ने 274 रनों का बड़ा टारगेट सेट किया था। इसके जवाब में भारतीय टीम ने 48 ओवर में 6 विकेट गंवाकर मैच अपने नाम कर लिया है। भारतीय टीम ने धर्मशाला स्टेडियम का सबसे बड़ा टारगेट चेज कर इतिहास रचा है।

2003 में मिली थी आईसीसी इवेंट में न्यूजीलैंड से जीत

आईसीसी इवेंट में भारत ने पिछली बार मार्च 2003 में न्यूजीलैंड को हराया था। इसके बाद टी20 वर्ल्ड कप (2007, 2016 × 2021), 2019 वनडे वर्ल्ड कप सेमीफाइनल और 2021 टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में हार मिली थी।

अखिलेश को पीएम बनाने के लिए लगे पोस्टर

» लखनऊ में सपा कार्यालय के बाहर पोस्टरों में सपा सुप्रीमो को बताया भावी प्रधानमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विपक्षी दलों ने 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के लिए और अपनी जीत का परचम लहराने के लिए एकजुट होकर इंडिया गठबंधन का गठन किया है। लेकिन पिछले कुछ दिनों से इस इंडिया गठबंधन के अंदर सबकुछ ठीक नहीं चलता दिखाई दे रहा है। क्योंकि गठबंधन के दो प्रमुख घटक आपस में ही एक-दूसरे पर निशाना साध रहे हैं। दरअसल, मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर सपा और कांग्रेस में तनातनी छिड़ी हुई है। अब इस तनातनी के बीच अखिलेश यादव को समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा देश का अगला प्रधानमंत्री बताया जाने लगा है।

दरअसल, लखनऊ में समाजवादी पार्टी के दफ्तर के बाहर लगा पोस्टर चर्चा का केंद्र बन गया है। पोस्टर में अखिलेश यादव को भावी प्रधानमंत्री बताया गया है। जाहिर है कि सपा लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट चुकी है। लोकसभा के रण में उतरने से पहले कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने का काम अखिलेश यादव भी कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन का प्रमुख घटक दल है। अखिलेश यादव के पक्ष में बैटिंग करने वाले सपा प्रवक्ता फखरुल हसन चांद हैं। उनकी तरफ से लगाए गए पोस्टर में अखिलेश यादव को भावी प्रधानमंत्री बताया गया है।

फोटो: सुमित कुमार

मुख्यालय के बाहर लगा पोस्टर बना चर्चा का विषय

सपा मुख्यालय के बाहर एक और पोस्टर भी काफी चर्चित हो रहा है। पोस्टर के जरिए बड़ा सियासी संदेश देने की कोशिश की गई है। 'बदला है यूपी बदलेंगे देश' के नारे में लोकसभा चुनाव की झलक साफ दिखती है। होर्डिंग में अखिलेश यादव के कार्यकाल की भी तारीफ की गई है। हाल के दिनों में कांग्रेस और सपा की कलह सतह पर उभरकर सामने आ चुकी है। दोनों पार्टियों के बीच जमकर बयानबाजी हुई थी। सोशल मीडिया पर चल रही जंग के बीच सपा का पोस्टर इंडिया गठबंधन पर दबाव की राजनीति का काम कर रहा है।

'पीएम बन देश की सेवा करेंगे अखिलेश'

सपा नेता जयराम पांडेय की तरफ से लगाए गए पोस्टर में अखिलेश यादव के कार्यकाल को बेहतर बताने की कोशिश की गई है। अखिलेश यादव को भावी प्रधानमंत्री बताने वाले फखरुल हसन चांद ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव का जन्मदिन 1 जुलाई को पड़ता है। कार्यकर्ता अखिलेश यादव के प्रति प्यार और सम्मान का प्रदर्शन कई बार जन्मदिन मनाकर करते हैं। फखरुल हसन चांद ने कहा कि आज 23 अक्टूबर को कुछ नेता और कार्यकर्ता सपा मुखिया का जन्मदिन मना रहे हैं। कार्यकर्ताओं की कामना है कि अखिलेश यादव देश का प्रधानमंत्री बनकर लोगों की सेवा करें।

आजम खां के परिवार को किया जा रहा प्रताड़ित : अखिलेश यादव

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां, उनकी पत्नी तंजीन फात्मा और बेटे अब्दुल्ला आजम को अलग-अलग जेल में रखे जाने के फैसले पर कहा कि आजम खां के परिवार को जिस तरह प्रताड़ित किए जाने का कुचक्र चल रहा है, वो बेहद निंदनीय है। परिवार के सदस्यों को अलग-अलग करना सत्ताधारियों की सियासत का पुराना चलन है और उम्र के तकाजे से किसी भी हाल में जायज नहीं। इंसाफ के लिए उनके संघर्ष में सब साथ खड़े हैं और खड़े रहेंगे। सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि कानून-व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री के दावे हवा-हवाई हैं। प्रदेश में अपराध चरम पर है। मुख्यमंत्री का बुलडोजर गरीब के घर जाता है, दबंगों के अवैध निर्माण पर बुलडोजर नहीं चलता। फर्जी मुकदमे लगाकर विपक्षियों को जेल भेजा रहा है। राजधानी लखनऊ समेत पूरे प्रदेश में अपराधों की बाढ़ है।

फोटो: 4 पीएम

कन्याभोज नवमी के अवसर पर घरों में कन्या पूजन के दौरान प्रसाद ग्रहण करतीं कन्याएं।

पांचों राज्यों में तय है भाजपा की हार: तेजस्वी

बोले- बढ़िया ढंग से चल रही बिहार की सरकार, भाजपा को तो हर मामले में होगी दिक्कत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पटना से दिल्ली के रवाना हुए बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। जब मीडिया द्वारा एयरपोर्ट पर तेजस्वी यादव से बीजेपी और नीतीश कुमार की दोस्ती को लेकर सवाल पूछा गया तो डिप्टी सीएम ने कहा कि जो बातें गंभीर नहीं है, उस पर कोई टीका-टिप्पणी करने का मतलब नहीं, कौन क्या कह रहा है यह बात अभी से चल रहा है क्या। बार-बार बताने के बाद भी इस बात पर चर्चा हो रही है, तो इसका कोई मतलब नहीं।

इस दौरान तेजस्वी यादव ने कहा कि भाजपा को हर चीज पर ऐतराज होगा। इतनी बढ़िया ढंग से सरकार चल रही है और आपसी तालमेल इतना बढ़िया है, जो लगातार विकास के कार्य हो रहे हैं। उससे लोगों को बहुत तकलीफ है। उन्होंने आगे कहा कि कल हम जापान के लिए निकलेंगे, वहां हम लोगों का कार्यक्रम है। बिहार के लोगों को मौका मिला है, इसलिए हम लोग पर्यटन को बढ़ाने के लिए जा रहे हैं।

भाजपा से लोग डरे हुए हैं

डिप्टी सीएम तेजस्वी ने कहा कि गया मोक्ष की धरती रही है, तो लोगों का यहां से काफी जुड़ाव है। इसको हम लोग और बेहतर कैसे करें इसलिए लोगों से फीडबैक भी जानेंगे और वह क्या चाहते हैं उस हिसाब से हम काम करेंगे। इस दौरान पांच राज्य में होने वाले चुनाव को लेकर पूछे गए सवाल पर तेजस्वी ने कहा कि लोग घबराए हुए हैं और भाजपा की हार निश्चित है।

जीडीपी और इन्फ्रास्ट्रक्चर में नंबर वन है बिहार

तेजस्वी यादव ने सरकार की उपलब्धियों को बताते हुए कहा कि राज्य में लाखों की तादाद में नौकरियां निकाली जा रही हैं। बिहार जीडीपी में अव्वल है और इन्फ्रास्ट्रक्चर में भी नंबर वन है। उन्होंने आगे कहा कि एनसीआरबी के अनुसार लॉ एंड ऑर्डर में बिहार 22वें या 23वें स्थान पर आता है और हम लोगों ने जो कमिटमेंट किया था वो कर रहे हैं।

ईडी का दुरुपयोग कर रही भाजपा: गहलोत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जोधपुर। केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी द्वारा राजस्थान में छापों पर सीएम अशोक गहलोत ने टिप्पणी की है। सोशल मीडिया पर की गई एक पोस्ट में सीएम अशोक गहलोत ने छापों के बारे में बात करते हुए भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी ईडी का दुरुपयोग कर रही है।

सोशल मीडिया पर सीएम ने लिखा कि राजस्थान में लगातार हो रही ईडी की रेड्स इस बात का सबूत हैं कि कांग्रेस चुनाव जीत रही है। राजस्थान की जनता का विश्वास जीतने में असमर्थ भाजपा, कांग्रेस को परेशान करने के लिए ईडी का दुरुपयोग कर रही है।

'बहुत खराब' हुई दिल्ली की वायु गुणवत्ता

» राजधानी में बढ़ने लगा प्रदूषण का स्तर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अभी दीपावली में लगभग 25 दिनों का समय शेष है। लेकिन मौसम में बदलाव होने के साथ-साथ राजधानी दिल्ली के वातावरण में भी बदलाव नजर आने लगा है। राजधानी दिल्ली की हवा लगातार खराब होती जा रही है। आज नवीनतम एक्यूआई 309 के साथ दिल्ली में समग्र वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुंच गई है। वहीं, दिल्ली एनसीआर में भी हवा की गुणवत्ता बिगड़ी है। यहां भी वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में है और जानकारी के अनुसार दिल्ली एनसीआर में एक्यूआई 322 है। दिल्ली के आनंद विहार, हसनपुर डिपो, राष्ट्रीय राजमार्ग 9 के आसपास की कुछ तस्वीरें सामने आईं, जहां धुंध के चलते कुछ भी साफ दिखाई नहीं दे रहा है।

दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली में ठंड बढ़ने लगी है और हवा की गति कम हो गई है। इससे प्रदूषण में बढ़ोतरी हो सकती है। पार्टिकुलेट मैटर जमीन के करीब रह रहे हैं। दिल्ली में ग्रैप का दूसरा चरण लागू कर दिया गया है। ग्रैप चरण 2 के कार्यान्वयन पर चर्चा के लिए सभी संबंधित विभागों के साथ एक बैठक

10-12 दिनों से बढ़ रहा प्रदूषण का स्तर

लगातार बढ़ते प्रदूषण का आभास अब दिल्लीवासियों को भी होने लगा है। कुछ साइकिल चालकों का कहना है कि दिल्ली में पिछले 10-12 दिनों से प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। आज हम इसे अपनी आंखों में महसूस कर सकते हैं। धुआं घना है, लगता है कि स्थिति अच्छी नहीं है। साइकिल चालक अपने साथ मास्क रखते हैं, लेकिन लगता नहीं कि कोई विकल्प है और अगर आपको सड़क पर रहना है तो आपको इसका सामना करना होगा।

स्रोतों को नियंत्रित करने की आवश्यकता: मंत्री

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि मौसम हमारे हाथ में नहीं है, लेकिन स्रोतों को नियंत्रित करने की आवश्यकता है। ग्रैप-2 मुख्य रूप से सफाई और पानी छिड़काव आदि के बारे में है। बसों और ट्रेनों की आवृति बढ़ाई जाएगी। इसको लेकर आज एक बैठक भी बुलाई गई। उन्होंने कहा कि हमने आसपास के राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों से बात की है और उन्होंने आश्वासन दिया है कि वे पराली जलाने पर कार्रवाई करेंगे। दिवाली, पराली और दशहरा के कारण अगले 10 से 15 दिन दिल्ली के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।